हमारे जीवन में नदियों की विशेष महत्ता है। नदियों के कारण ही हमारा जीवन संभव हो सका है। भारतीय संस्कृति में नदियाँ पूजनीय मानी गई हैं। नदियों से हमें अमृत तुल्य जल प्राप्त होता है। इसका उपयोग हम खेतों की सिंचाई करने, अपनी प्यास बुझाने, बिजली बनाने, घरेलू काम करने के अलावा और भी बहुत-से कार्यों में करते हैं। नदियाँ आवागमन का साधन बनकर जलमार्ग उपलब्ध कराती हैं। प्राचीनकाल में अधिकांश व्यापार इसी मार्ग से होता था। लोग नावों द्वारा आते-जाते और व्यापार करते थे। भारतीय संस्कृति में अनेक धार्मिक क्रियाकलाप नदियों के किनारे किए जाते हैं। शहरों में पेयजल का मुख्य स्रोत नदियाँ ही हैं। दुर्भाग्य से मनुष्य अपने स्वार्थपूर्ण व्यवहार से नदियों को दूषित कर रहा है। नदियों में जानवरों को नहलाने, कपड़े धोने, पूजा-पाठ की अवशिष्ट सामग्री फेंकने, नदियों में लाशें प्रवाहित करने या उनके किनारे पर अंत्येष्टि क्रिया करने से नदियों का प्रदूषण बढ़ा है। हमें नदियों को बचाने का पूरा प्रयास करना चाहिए।

1 नदियाँ हमारे लिए किस प्रकार लाभकारी हैं?

_____

2 व्यापार बढ़ाने में नदियों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

_____

3 नदियों में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए आप क्या-क्या सुझाव देंगे? लिखिए।

_____

4 संधि-विच्छेद कीजिए।

(क) दुर्भाग्य _____ + _____

(ख) अधिकांश _____ + _____

5 'आवागमन' का समानार्थी शब्द लिखिए।

_____